पाक्षिक

खबर आस पास

खबर आस पास

भारत सरकार से मान्यता प्राप्त समाचार पत्र

संपादक :सत्येन्द्र राजवंशी मो. 9587570001 Email : khabaraaspass@gmail.com

वर्ष : 1 | अंक : डिजिटल | बीकानेर : मंगलवार 21 जुलाई 2026 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1.00 रुपया

'जिस व्यक्ति ने कभी गलती नहीं की, उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की।'

सहजन आधारित कृषि प्रणाली अपनाकर किसान बढ़ाएं आय और पोषण सुरक्षा : डॉ. नवरत्न पंवार, अध्यक्ष, काजरी

'सहजन आधारित कृषि प्रणाली' विषय पर तीन दिवसीय कृषक कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

प्रशिक्षण में बीकानेर जिले की विभिन्न तहसीलों के 30 किसान ले रहे हिस्सा

बीकानेर श्रेयांस बैद, (खबर आस पास)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी), क्षेत्रीय अनुसंधान स्टेशन, बीकानेर में नाबार्ड वित्त पोषित परियोजना के तहत 'सहजन आधारित कृषि प्रणाली' विषय पर तीन दिवसीय कृषक कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को सहजन (मोरिंगा) आधारित आधुनिक एवं टिकाऊ कृषि प्रणाली से जोड़कर उनकी आय, पोषण एवं रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना है। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर केंद्रीय मूंगफली अनुसंधान केंद्र, बीकानेर के प्रभारी अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र कुमार ने किसानों से सहजन आधारित कृषि प्रणाली अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि मोरिंगा एक बहुउपयोगी फसल है, जिसका उपयोग मानव पोषण, पशुपालन, कृषि तथा विभिन्न औद्योगिक कार्यों में किया जाता है। इससे किसानों की आर्थिक समृद्धि के साथ-साथ टिकाऊ कृषि को भी बढ़ावा मिलेगा। काजरी के अध्यक्ष डॉ. नवरत्न पंवार ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के दौर में सहजन केवल एक फसल नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, पोषण सुरक्षा और किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने इसे भविष्य की टिकाऊ कृषि प्रणाली का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए अधिक से अधिक किसानों से प्रशिक्षण का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने जानकारी दी कि आगामी अगस्त माह में भी इस विषय पर दो और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। परियोजना के मुख्य समन्वयक डॉ. बी.एल. बिश्नोई ने बताया कि प्रशिक्षण में बीकानेर जिले की विभिन्न तहसीलों के लगभग 30 किसान भाग ले रहे हैं। साथ ही बताया कि सहजन के विभिन्न उत्पादों का मूल्य संवर्धन कर किसानों को अतिरिक्त आय के अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि मोरिंगा औषधीय गुणों से भरपूर है तथा इसकी पत्तियां, फलियां और पाउडर दैनिक आहार में शामिल कर पोषण स्तर बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रत्येक किसान को प्रमाण-पत्र के साथ 1,000 सहजन पौधे निःशुल्क वितरित किए जाएंगे। परियोजना के तहत बीकानेर जिले के लगभग 300 किसानों को तीन लाख से अधिक पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे।

कार्यक्रम के संचालन एवं आयोजन में काजरी के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. मनोज गोरा, मूल सिंह गेहलोत एवं डॉ. सीताराम जाट का विशेष सहयोग रहा।

पशुपतिनाथ दर्शन का सपना सच : नेपाल के लिए पहली हवाई तीर्थ यात्रा रवाना

जयपुर श्रेयांस बैद, (खबर आस पास)। राजस्थान सरकार की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2026 के तहत हवाई यात्रा का सोमवार को भव्य आगाज हो गया। देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने 43 वरिष्ठ नागरिकों के पहले दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह दल जयपुर के सिंधी कैंप स्थित होटल महादेव विला से बस द्वारा नई दिल्ली के लिए रवाना हुआ, जहां से वे हवाई जहाज से काठमांडू (नेपाल) पहुंचेंगे। सभी वरिष्ठ तीर्थयात्री काठमांडू में स्थित प्रसिद्ध बाबा पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन करेंगे। पशुपतिनाथ जी के साथ-साथ काठमांडू के अन्य प्रमुख दर्शनीय धार्मिक स्थलों का भी भ्रमण कराया जाएगा।

3-स्टार होटल में ठहराव और सुरक्षा

देवस्थान मंत्री कुमावत ने कहा कि हमारी सरकार का मुख्य ध्येय हमारे बुजुर्गों के जीवन को सुगम और भक्तिमय बनाना है। उन्होंने कहा कि जो बुजुर्ग कभी हवाई जहाज में बैठने का सपना देखते थे, आज सरकार उन्हें सीधे बाबा पशुपतिनाथ के द्वार पहुंचा रही है। मंत्री कुमावत ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा में कई सुधार किए गए हैं। कुमावत ने बताया कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार के समय हवाई यात्रा पर जाने वाले यात्रियों को धर्मशाला में ठहराया जाता था लेकिन अब उनके लिए 3 स्टार होटलों में ठहरने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि तत्कालीन सरकार के समय काठमांडू में यात्रियों की एक दिन ठहराया जाता था मगर अब 2 दिन ठहराया जाता है। अब यात्री पशुपतिनाथ मंदिर दर्शन के साथ-साथ बुढ़ानीलकंठ मंदिर व बोधनाथ स्तूप के भी दर्शन कर सकते हैं। तीर्थयात्रियों के आराम के लिए काठमांडू में 3-स्टार होटल में रुकने की व्यवस्था की गई है। यात्रियों की सहायता, सुरक्षा और मार्गदर्शन के लिए 01 सरकारी अनुरक्षक और 01 आईआरसीटीसी का स्टाफ पूरी यात्रा में साथ रहेगा। यह पहला दल अपनी धार्मिक यात्रा पूरी करके 22 जुलाई-2026 को वापस जयपुर लौटेगा।

22 सितंबर तक 2860 बुजुर्ग करेंगे हवाई यात्रा

देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने आगामी शेड्यूल को लेकर महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि 20 जुलाई से 22 सितंबर-2026 तक हर दिन काठमांडू के लिए हवाई यात्रा का संचालन किया जाएगा। 22 सितंबर तक कुल 2,860 वरिष्ठ नागरिकों को पशुपतिनाथ जी के दर्शन करवाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इसमें बीकानेर व चूरू जिले से 28 जूलाई तक कुल 382 यात्री पशुपति नाथ जी के दर्शन कर सकेंगे। इनमे बीकानेर जिले के 205 व चूरू जिले के 177 यात्री शामिल हैं।

अक्टूबर और नवंबर के महीनों में त्योहारों (दीपावली आदि) के कारण हवाई यात्राएं स्थगित रहेंगी। बचे हुए हवाई तीर्थयात्रियों को दिसंबर महीने से दोबारा काठमांडू दर्शन के लिए भेजा जाएगा। राजस्थान सरकार की इस पहल से बुजुर्गों में भारी उत्साह है और पहले दल के यात्रियों को विदा करते समय पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। इस मोके पर भाजपा नेता सुनील कुमावत, आइआरसीटीसी के अपर महाप्रबंधक कृष्ण कुमार सिंह, देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त जयपुर प्रथम रतन लाल योगी व जयपुर सर्किंड महेंद्र देवतवाल, बीकानेर के सहायक आयुक्त गौरव सोनी सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

जिला कलेक्टर निशान्त जैन ने किया शहरी क्षेत्र का किया सघन निरीक्षण, सात दिन में सड़कें दुरुस्त करने के निर्देश

अधिकारियों के साथ शहरी परकोटे में चले पैदल, लिया व्यवस्थाओं का जायजा

(खबर आस पास)

बीकानेर श्रेयांस बैद। जिला कलेक्टर निशान्त जैन ने सोमवार सुबह नगर निगम, बीकानेर विकास प्राधिकरण तथा सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ शहरी क्षेत्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिला कलेक्टर ने केईएम रोड से निरीक्षण प्रारंभ किया। इसके बाद कोटगेट, सिटी कोतवाली, रामपुरिया हवेलियां, मोहता चौक, नाइयों की गली, सब्जी बाजार, चूड़ी बाजार, लक्ष्मीनाथ मंदिर होते हुए बीकाजी की टेकरी तक पैदल पहुंचकर विभिन्न व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय नागरिकों से संवाद कर क्षेत्र की समस्याओं और आवश्यकताओं के बारे में फीडबैक भी लिया।

निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहरी क्षेत्र की क्षतिग्रस्त सड़कों का तीन दिन में विस्तृत सर्वे किया जाए तथा अगले सात दिनों में आवश्यक मरम्मत कार्य पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि आमजन को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है, इसमें किसी प्रकार की कोताही ना हो।

जिला कलेक्टर ने बीकानेर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहरी क्षेत्र की सड़कों के क्षेत्राधिकार से संबंधित समस्त जानकारी बीडीए की वेबसाइट पर अपलोड की जाए, जिससे संबंधित विभाग अपने अधिकार क्षेत्र के अनुसार नियमित निगरानी और रखरखाव सुनिश्चित कर सकें। आमजन को भी इसकी जानकारी रहे।

जिला कलेक्टर ने नगर निगम अधिकारियों को शहर की साफ-सफाई के लिए नियुक्त टीमों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा सभी प्रमुख मार्गों और सार्वजनिक स्थलों पर रोड लाइट्स को सुचारु रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त सिद्धार्थ पलनीचामी, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता विमल गहलोत, अधिशाषी अभियंता कमल खत्री निगम सचिव जगमोहन हर्ष सहित बीडीए और पीडब्ल्यूडी के अधिकारी मौजूद रहे।

बजट घोषणाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर दें विशेष ध्यान, लंबित भूमि अधिग्रहण प्रकरणों का करें शीघ्र निस्तारण : एडीएम प्रशासन

संपर्क पोर्टल की शिकायतों की अधिकारी स्वयं करें मॉनिटरिंग, परिवादियों से संवाद बढ़ाने के दिए निर्देश

(खबर आस पास)

बीकानेर श्रेयांस बैद। अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) उम्मेद सिंह रतनू ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर राज्य बजट घोषणाओं एवं संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न विभागों को निर्देश दिए कि बजट घोषणाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में एडीएम प्रशासन ने जिला प्रभारी सचिव के निर्देशों का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी संबंधित विभाग आगामी तीन माह का स्पष्ट कार्य लक्ष्य (टार्गेट) निर्धारित करें तथा उसी के अनुरूप नियमित प्रगति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी स्वीकार्य नहीं होगी। विशेष रूप से भूमि अधिग्रहण से संबंधित मामलों का त्वरित निस्तारण किया जाए, ताकि विकास कार्यों में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विभिन्न विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा जिन परियोजनाओं में बहु-विभागीय सहयोग अपेक्षित है, उनमें नियमित संवाद बनाए रखते हुए समस्याओं का समय रहते समाधान करें। उन्होंने प्रत्येक विभाग को लंबित कार्यों की सतत समीक्षा कर प्रगति में तेजी लाने के निर्देश भी दिए।

संपर्क पोर्टल की समीक्षा के दौरान रतनू ने कहा कि आमजन की शिकायतों के त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निस्तारण के लिए जिला स्तरीय अधिकारी स्वयं प्रकरणों की व्यक्तिगत मॉनिटरिंग करें। उन्होंने अधिकारियों को परिवादियों से सीधे संवाद स्थापित करने की सलाह देते हुए कहा कि शिकायतकर्ता से व्यक्तिगत बातचीत करने पर समस्या की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होती है तथा समाधान के प्रति उनका संतुष्टि स्तर भी बढ़ता है। उन्होंने कहा कि संपर्क पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का समयबद्ध एवं संवेदनशीलता के साथ निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में चिकित्सा, परिवहन, पुरातत्व, आरयूआईडीपी, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी), भूजल विभाग, राजस्थानी भाषा अकादमी, रसद विभाग, विद्युत विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

श्री गणेश मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के द्वितीय वर्ष महोत्सव बड़े धूमधाम-रिद्धि सिद्धि गार्डन

बीकानेर (खबर आस पास)। छोटी काशी बीकानेर में धार्मिक उत्सव बड़े ही धूमधाम श्रद्धा और उत्साह उमंग के साथ के साथ मनाए जाते हैं। रिद्धि सिद्धि गार्डन नोखा रोड़ गंगा शहर दक्षिणी बीकानेर की रिहायशी कालोनी में श्री गणेश मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के द्वितीय वर्ष महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। आरती वन्दना स्तुति पश्चात भजन संध्या कार्यक्रम में महिलाओं ने भाव विभोर भजन सुनाते बच्चों में उत्साह देखने लायक रहा। बच्चों में भजन प्रस्तुति दीपिका चोरड़िया,दीक्षिता संग मानस्वी ने सुन्दर प्रस्तुति दी युगलबंदी में हटिला परिवार से बहन भाई ने अति मार्मिक भजन 'इन्सान से इन्सान को हो भाई चारा यही पैगाम हमारा से धार्मिक अनुष्ठान में समा बांध दी। श्रीमती खंडेलवाल श्रीमती विश्नोई युगलबंदी भजन सुनाया। महिलाओं ने सुन्दर भजन सुनाया। प्रोफ़ेशनल गायकार श्री नारायण सोनी ने श्री गणेश वन्दना स्तुति दी व्यवस्थापक लक्ष्मण रामावत ने दो भजन प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के संचालक लक्ष्मण रामावत सुधीर कुमार सोनी विनोद रामावत भानू सोनी पूजा सेठिया ने संभाला बच्चों में रवि डागा,नोवा,यश रामावत,ने व्यवस्था संभाली प्रशाद वितरण उत्तम चंद चोरड़िया,भानू सोनी,विनोद रामावत उत्सव संयोजक सुधीर सोनी किशनलाल वर्मा का योगदान रहा सारा रिद्धि सिद्धि गार्डन परिवार एक यूनीट की तरह परस्पर सामंजस्य से हिस्सा लेकर श्री गणेश कृपा से आयोजन को सफल बनाया।

विद्या संबल योजना में गेस्ट फैकल्टी के आवेदन आमंत्रित

बीकानेर श्रेयांस बैद (खबर आस पास)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित विद्यालय स्तरीय छात्रावासों में विशेषज्ञ अनुभवी व्यक्तियों को गैस्ट फैकल्टी के रूप में लेने के लिए 'विद्या संबल योजना' के तहत विभागीय विद्यालय स्तरीय छात्रावासों में कठिन विषयों की कोचिंग के लिए गैस्ट फैकल्टी शिक्षक लगाए जाएंगे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक एल.डी. पंवार ने बताया कि गणित, विज्ञान एवं अंग्रेजी को कठिन विषय माना जाएगा। योजना के तहत विभाग द्वारा संचालित 15 राजकीय छात्रावासों में, जो कि बीकानेर मुख्यालय सहित सभी ब्लॉक मुख्यालयों पर स्थित हैं, उनमें कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को अध्ययन में सहायता के लिए प्रत्येक छात्रावास में 1 गेस्ट फैकल्टी शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने बताया कि संबंधित सेवा नियमों में अंकित योग्यता आदि की पात्रता रखने वाले सेवानिवृत्त कार्मिक/निजी अभ्यर्थियों को गेस्ट फैकल्टी के रूप में गठित कमेटी द्वारा चयन के बाद लगाया जाएगा। योजना के तहत प्रस्ताव/आवेदन संबंधित ब्लॉक सामाजिक सुरक्षा अधिकारी कार्यालय अथवा संबंधित छात्रावास में दिनांक 27 जुलाई 2026 तक जमा करवाये जा सकते हैं। यह व्यवस्था पूर्ण रूप से अस्थायी तथा एक शैक्षणिक सत्र (2026-27) के लिए होगी।

बीकानेरी नमकीन को मिलेगा वैश्विक पहचान का नया अवसर

'एक जिला-एक उत्पाद नीति-2024 के तहत उद्यमियों को मिलेंगे आकर्षक अनुदान, ई-कॉमर्स, तकनीकी उन्नयन और विपणन को मिलेगा बढ़ावा'

(खबर आस पास)

बीकानेर श्रेयांस बैद। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के विशिष्ट स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने तथा स्थानीय उद्यमों को प्रतिस्पर्धी बनाने के उद्देश्य से लागू की गई 'एक जिला एक उत्पाद नीति-2024' के तहत जिले के लिए 'बीकानेरी नमकीन' का चयन किया गया है। इस नीति के माध्यम से जिले के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को वित्तीय सहायता, तकनीकी सहयोग, विपणन सुविधाएं तथा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जोड़ने सहित अनेक प्रकार के प्रोत्साहन उपलब्ध कराए जाएंगे। योजना 31 मार्च, 2029 तक प्रभावी रहेगी।

जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र की महाप्रबंधक मंजू नैण गोदारा ने बताया कि नीति के अंतर्गत बीकानेरी नमकीन से जुड़े नए सूक्ष्म उद्यमों को पात्र परियोजना लागत का 25 प्रतिशत (अधिकतम 15 लाख रुपए) तथा लघु उद्यमों को 15 प्रतिशत (अधिकतम 20 लाख रुपए) तक मार्जिन मनी अनुदान दिया जाएगा। इसके अलावा मौजूदा सूक्ष्म एवं लघु इकाइयों के विस्तार के लिए भी परियोजना लागत के आधार पर निर्धारित सीमा तक वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है, जिससे स्थानीय उद्योगों के विस्तार और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

उन्होंने बताया कि बीकानेरी नमकीन के उत्पादकों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों, प्रदर्शनियों और विपणन आयोजनों में भागीदारी के लिए स्टॉल किराया तथा आवागमन व्यय पर भी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इससे स्थानीय उत्पादों को नए बाजार मिलेंगे तथा निर्यात की संभावनाओं को भी बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने बताया कि गुणवत्ता सुधार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मानक प्रमाणन तथा बौद्धिक संपदा अधिकार प्राप्त करने पर होने वाले व्यय का 75 प्रतिशत, अधिकतम तीन लाख रुपए तक पुनर्भरण किया जाएगा। साथ ही उद्यमों को डिजिटल कारोबार से जोड़ने के लिए ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म शुल्क पर दो वर्ष तक 75 प्रतिशत, अधिकतम एक लाख रुपए प्रतिवर्ष की सहायता भी प्रदान की जाएगी।

उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीक अपनाने, उन्नत सॉफ्टवेयर एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए पात्र व्यय का 50 प्रतिशत, अधिकतम पांच लाख रुपए तक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त उत्पादों की कैटलॉगिंग तथा पूर्ण कार्यात्मक ई-कॉमर्स वेबसाइट विकसित करने के लिए कुल व्यय का 60 प्रतिशत, अधिकतम 75 हजार रुपए तक का एकमुश्त अनुदान भी दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि बीकानेरी नमकीन से संबंधित सभी पात्र इकाइयों को इन सुविधाओं का लाभ ऑनलाइन पंजीकरण के कराने पर मिलेगा। इच्छुक उद्यमी एसएसओ पोर्टल पर उपलब्ध ओडीओपी पोर्टल के माध्यम से https://swcs.rajasthan.gov.in/ODOP/OneDistOneProduct/Dashboard पर आवेदन कर सकते हैं। साथ ही जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, चौपड़ा कटला, बीकानेर में संपर्क कर भी पंजीकरण एवं योजना संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

दानाराम भादू बने जिलाध्यक्ष, नरेन्द्र आचार्य को मिली जिला मंत्री की जिम्मेदारी

(खबर आस पास)

बीकानेर (मुकेश रामावत): अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ विद्यालय शिक्षा राजस्थान के जिला बीकानेर की नई जिला कार्यकारिणी का गठन कर दिया गया है। संगठन की साधारण सभा की पहली बैठक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेल वेल में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता महासंघ के प्रदेश सचिव एवं जिला पालक रवि आचार्य ने की। सर्वसम्मति से अगले कार्यकाल के लिए नई कार्यकारिणी का ऐलान किया गया।

नई कार्यकारिणी में ये बने पदाधिकारी

जिलाध्यक्षः दानाराम भादू, जिला मंत्रीः नरेन्द्र आचार्य, महिला मंत्रीः श्रीमती बबीता वर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्षः अनिल सोनी, जिला उपाध्यक्षः श्रीमती मीरा वर्मा, जगदीश मंडा, श्रीराम खिलेरी, मोहन लाल डोगीवाल, जिला सचिवः अलसीराम बिश्नोई, प्रवीण टॉक, जिला कोषाध्यक्षः महेश छीपा, अतिरिक्त जिला मंत्रीः मोहम्मद फैसल। प्रदेश सचिव रवि आचार्य ने कहा कि संगठन का मूल मंत्र 'राष्ट्रहित में शिक्षा और शिक्षा हित में शिक्षक' है। शिक्षक राष्ट्र के भविष्य के निर्माता हैं, इसलिए सभी पदाधिकारियों को निष्ठा, पारदर्शिता और सेवा भाव से काम करना होगा। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष दानाराम भादू ने कहा कि जिला कार्यकारिणी शिक्षकों की समस्याओं के त्वरित समाधान, उनके सम्मान की रक्षा और संगठन के विस्तार के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम करेगी। नए जिला मंत्री नरेन्द्र आचार्य ने भी संगठन की विचारधारा को हर स्कूल तक पहुंचाने और शिक्षकों के अधिकारों की रक्षा को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने नई कार्यकारिणी का स्वागत किया और संगठन को और अधिक सक्रिय व सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

दक्षिण मुंबई में 'श्री उत्सव' ने महिलाओं को दी नई उड़ान

बीकानेर (खबर आस पास)। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल, दक्षिण मुंबई द्वारा महाप्रज्ञ पब्लिक स्कूल, कालबादेवी में 11-12 जुलाई, 2026 को दो दिवसीय 'श्री उत्सव - एक कदम स्वावलंबन की ओर' का भव्य आयोजन किया गया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्र की प्रत्येक महिला को स्वस्थ, सशक्त एवं स्वावलंबी बनाना है। इसी उद्देश्य को साकार करने हेतु 'समृद्धि राष्ट्र परियोजना' के अंतर्गत देशभर में 'श्री उत्सव' आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे महिलाओं को उद्यमिता, आत्मनिर्भरता एवं स्वरोजगार का सशक्त मंच प्राप्त हो सके।

कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के मंगल उच्चारण से हुआ, जिसे अशोक जी बरलोटा ने प्रस्तुत कर पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत कर दिया। तत्पश्चात महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री मंगल प्रभात लोढ़ा जी, महाप्रज्ञ पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती विनीता जी तथा The Diamond Talk की इंटरनेशनल इंफ्लुएंसर श्रीमती रेनू चौधरी जी ने फीता खोल कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया।

महिला मंडल की बहनों द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथियों का तिलक, वस्त्र-पटिका एवं साहित्य भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया।

अपने प्रेरक उद्बोधन में The Diamond Talk की इंटरनेशनल इंफ्लुएंसर श्रीमती रेनू चौधरी जी ने महिला मंडल के इस अभिनव प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन महिलाओं को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा भी प्रदान करते हैं।

कैबिनेट मंत्री श्री मंगल प्रभात लोढ़ा जी ने अपने संबोधन में तेरापंथ महिला मंडल के कार्यों की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में महिला मंडल द्वारा किए जा रहे प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं तथा यह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित एवं सशक्त भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल है।

महिला मंडल की अध्यक्षा लतिका डागलिया ने मुख्य अतिथियों, सभी संस्थाओं के पदाधिकारियों, अतिथियों, सदस्यों एवं सभी स्टॉलधारक बहनों का हार्दिक स्वागत किया। पुष्पा जी कच्छारा ने अखिल भारतीय तेरापंथ महिला की तथा इसे महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल बताया।

श्री उत्सव में 62 आकर्षक स्टॉल लगाए गए, जिनमें महिलाओं द्वारा निर्मित हस्तशिल्प, परिधान, ज्वेलरी, घरेलू उपयोगी सामग्री, सजावटी वस्तुएँ तथा स्वादिष्ट व्यंजनों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया गया। फूड स्टॉल एवं गेम स्टॉल भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। दोनों दिनों में लगभग 1800 से अधिक आगंतुकों ने उत्सव में पहुँचकर खरीदारी की तथा विभिन्न व्यंजनों एवं मनोरंजक गतिविधियों का आनंद लिया। कार्यक्रम में आचार्य महाप्रज्ञ विद्यानिधि फाउंडेशन के कार्याध्यक्ष गणपत जी डागलिया, मंत्री लक्ष्मीलाल जी डागलिया एवं उनकी टीम, तेरापंथ सभा दक्षिण मुंबई के अध्यक्ष देवेंद्र जी डागलिया, मंत्री पवन जी बोलिया एवं उनकी टीम, तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष सुमित जी सुराणा, मंत्री श्रेयांश जी मुनोत एवं उनकी टीम, अनुव्रत क्षेत्रीय संयोजक नरेंद्र जी मुनौत, मुंबई सभा प्रचार प्रसार मंत्री नितेश जी धाकड़, पूर्व सभा अध्यक्ष सुरेश जी डागलिया, पूर्व सभा मंत्री दिनेश जी धाकड़, पूर्व तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष गिरीश जी सिसोदिया, महिला मंडल की पूर्व अध्यक्षा वनिता जी धाकड सहित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। श्री उत्सव के सफल आयोजन में वनिता जी धाकड, संगीता जी राठौड़, पुष्पा जी कच्छारा एवं सुमन जी नाहर ने संपूर्ण व्यवस्थाओं का अत्यंत कुशलतापूर्वक संचालन किया। मंच संचालन पुष्पा कच्छारा ने किया। इस आयोजन की सफलता में पुष्पा धाकड़, रितिका सिसोदिया, रेखा कच्छारा ,शुभांगी जवेरी,पूजा सूराणा,सुमन ढेलरिया,प्रिशा डागलिया कन्या मंडल प्रभारी वंदना जी वागरेचा एवं शिल्पा जी सिंघवी का विशेष सहयोग रहा। साथ ही कन्या मंडल संयोजिका दिनिशा तथा किशोर मंडल संयोजक धीर ने अपनी पूरी टीम के साथ फूड स्टॉल, गेम स्टॉल एवं अन्य व्यवस्थाओं में सक्रिय सहयोग देकर आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महिला मंडल की संपूर्ण टीम, स्वयंसेवकों, सभी सहयोगियों एवं स्टॉलधारक बहनों के सामूहिक प्रयासों से यह आयोजन अत्यंत सफल, प्रेरणादायी एवं यादगार रहा। 'श्री उत्सव - एक कदम स्वावलंबन की ओर' महिलाओं की प्रतिभा, उद्यमिता एवं आत्मनिर्भरता को नई दिशा देने वाला एक सशक्त मंच बनकर समाज में महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रेरक उदाहरण सिद्ध हुआ।यह जानकारी मंत्री भाग्यश्री मेहता ने दी।

जीवन की अंतिम विदाई बनी किसी की नई सुबह, तारादेवी जैन का नेत्रदान

तेयुप अध्यक्ष विक्रम मालू व समाजसेवी हनुमान दुगड़ की प्रेरणा एवं नेत्रदान प्रभारी अशोक झाबक की तत्परता से मध्यरात्रि में संपन्न हुआ नेत्रदान

श्रीडूंगरगढ़, (खबर आस पास)। स्वर्गीय तारादेवी जैन, धर्मपत्नी श्री मांगीलाल जैन (खटेड़) के 18 जुलाई 2026 को स्वर्गवास के उपरांत उनके परिवारजनों ने उनकी अंतिम इच्छा का सम्मान करते हुए नेत्रदान का पुण्य निर्णय लिया। मध्यरात्रि में संपन्न यह नेत्रदान मानवता, करुणा और परोपकार का प्रेरणादायी उदाहरण बन गया।

स्वर्गीय तारादेवी जैन के नेत्र अब किसी दृष्टिहीन व्यक्ति के जीवन में नई रोशनी, नई आशा और नई दृष्टि का संचार करेंगे। यह कार्य समाज के लिए अनुकरणीय प्रेरणा है।

स्वर्गवास के पश्चात परिवारजनों ने बिना किसी विलंब के नेत्रदान की सहमति प्रदान की। इस निर्णय में पुत्र विद्युत जैन, पुत्रवधू विजयश्री जैन, रिश्तेदार प्रकाश मालू सहित समस्त परिवारजनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनका यह निर्णय सेवा, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व का श्रेष्ठ उदाहरण है।

नेत्रदान का संग्रह प्राणनाथ हॉस्पिटल, सरदारशहर की टीम के भंवरलाल प्रजापत एवं दिनेश शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर राजकुमार झाबक, नवरंग स्वामी, बनवारीलाल मारू, कन्हैयालाल स्वामी, प्रकाश नाई, दक्ष मालू, रसना जैन सहित समाज के अनेक लोगो व परिवारजन उपस्थित रहे तथा इस पुण्य कार्य की अनुमोदना की। तेरापंथ युवक परिषद श्रीडूंगरगढ़ ने समाज से भावपूर्ण अपील करते हुए कहा कि मरणोपरांत नेत्रदान किसी दृष्टिहीन के जीवन में नई रोशनी लाने का सबसे बड़ा मानवीय उपहार है। नेत्रदान संबंधी जानकारी एवं सहयोग के लिए 9636288181 पर संपर्क किया जा सकता है।

जेनेसिस मॉल में हस्तनिर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी को मिला शानदार प्रतिसाद

भिवाड़ी (खबर आस पास)। भिवाड़ी के जेनेसिस मॉल में 18 एवं 19 जुलाई को मुस्कान गुप्ता द्वारा हस्तनिर्मित (Handmade) उत्पादों की विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य 'मेड इन इंडिया' और स्थानीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देना था। मुस्कान गुप्ता बीकानेर के लुनकरणसर की बेटी है और वर्तमान में भिवाड़ी रहती है

इस प्रदर्शनी में क्रोशिया (Crochet) और रेज़िन (Resin) से बने आकर्षक हस्तनिर्मित उत्पाद प्रदर्शित किए गए, जिन्हें देखने और खरीदने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। प्रदर्शनी को दर्शकों का भरपूर प्यार और सराहना मिली।

इस अवसर पर मुस्कान गुप्ता ने बताया कि प्रदर्शनी में प्रदर्शित सभी उत्पाद उन्होंने अपनी सासु माँ प्रमिला अग्रवाल के साथ मिलकर स्वयं तैयार किए हैं। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास भारतीय हस्तकला और स्वदेशी उत्पादों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाना है, ताकि स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहन मिल सके।

मुस्कान गुप्ता ने प्रदर्शनी में मिले उत्साहजनक प्रतिसाद पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का स्नेह और समर्थन उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी वे इसी प्रकार की प्रदर्शनियों का आयोजन करती रहेंगी और हस्तनिर्मित एवं मेड इन इंडिया उत्पादों को बढ़ावा देने का अपना प्रयास जारी रखेंगी।

सम्पूर्ण भारत में ख्याति प्राप्त पुनरासर हनुमान जी मन्दिर में चढ़ाया चांदी का छत्र ।बडी संख्या में भक्त जन हुए इस उत्सव में शामिल

श्रीडूंगरगढ़ बीकानेर तोलाराम मारू । राजस्थान के बीकानेर जिले के उप खंड श्रीडूंगरगढ़ के ग्राम पुनरासर में प्रसिद्ध हनुमानजी/ बालाजी मंदिर मे बारीदार पुजारी नथमल सोहनलाल बोथरा परिवार की प्रेरणा से रामदरबार के ऊपर चाँदी का छत्र मुकुट पंचामृत से अभिषेक करके विशेष पूजा अर्चना व ज्योत करके सादुलपुर निवासी कलकत्ता प्रवासी श्री पदमचंद जी ,रमणी, हेमंत, ज्योति, अर्हम दुगड परिवार ने अर्पित किया है जो कि मंदिर में सदैव स्थापित रहेगा ।जय श्री राम जय पुनरासर धाम के जय घोष से मन्दिर परिसर गुंजायमान हो गया। बारीदार पुजारी छतरसिंहजी, सुरेन्द्र, गौरव , हर्ष बोथरा भक्त की मनोकामना पूर्ण का बाबा का आशीर्वाद दिया ।भक्त पदमचंदजी,रमणी ,अर्हम दूगड व राजेश ,रेखा चोरडिया तथा अन्य भक्त गण इस अवसर पर उपस्थित रहे।।बारीदार पुजारी निर्मल कुमार बोथरा ने बताया कि पुजारी परिवार द्वारा व उनकी प्रेरणा से भक्तों द्वारा समय-समय पर अंधी गायों के लिए उनकी बारी में अब तक लगभग 75 पिकअप से ज़्यादा हरा चारा तथा चींटियों के लिए दलिये की व्यवस्था की गई है और मंदिर के पुजारी ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री जयराम भोजनालय में भंडारे स्वरूप 51000/- का राशन श्री डूंगरगढ़-सिलीगुड़ी के सुमति पारख द्वारा दिया गया है ।उल्लेखनीय है कि पुनरासर हनुमान जी मंदिर में , सम्पूर्ण भारत वर्ष से भक्त गण आते है। पद यात्री भी बडी संख्या में आते हैं। बाबा के दरबार में पुजारी ट्रस्ट व पुजारी परिवार द्वारा आगुंतकों के लिए भी समय समय पर विशेष व्यवस्था की जाती है। उल्लेखनीय है कि बारीदार पुजारी परिवार द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पुनरासर के विद्यार्थियों व गुरूजनो को बाबा का प्रसाद दिया गया।

प्रख्यात नाटककार, लेखिका, प्रसारणकर्ता एवं अभिनेत्री काजल सूरी 'कला साधिका पुरस्कार' से सम्मानित

नई दिल्ली (खबर आस पास)। भारतीय रंगमंच, साहित्य और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के क्षेत्र में अपने उल्लेखनीय एवं बहुआयामी योगदान के लिए प्रख्यात नाटककार, कवयित्री, लेखिका, निर्देशिका, अभिनेत्री एवं प्रसारणकर्ता काजल सूरी को प्रतिष्ठित 'कला साधिका पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) के सम्मुख सभागार में आयोजित 'भारत की विविध सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों का राष्ट्रीय उत्सव' विविधा के दौरान प्रदान किया गया। इस राष्ट्रीय सांस्कृतिक आयोजन का आयोजन संस्था

कला मंडली द्वारा भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय (Ministry of Culture) के सहयोग से किया गया।

यह पुरस्कार काजल सूरी के रंगमंच, साहित्य, संस्कृति और प्रसारण के क्षेत्र में वर्षों से किए जा रहे समर्पित, रचनात्मक और प्रेरणादायी कार्यों की स्वीकृति एवं सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने अपने लेखन, नाट्य निर्देशन, अभिनय, काव्य-सृजन तथा प्रसारण के माध्यम से भारतीय संस्कृति, सामाजिक सरोकारों और मानवीय मूल्यों को सशक्त अभिव्यक्ति प्रदान की है। उनकी रचनात्मक यात्रा ने अनेक युवा कलाकारों, लेखकों और रंगकर्मियों को प्रेरित किया है।

काजल सूरी के लिखे अब तक 15 नाटक प्रकाशित हो चुके हैं !

समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिष्ठित साहित्यकारों, कलाकारों, रंगकर्मियों, शिक्षाविदों एवं सांस्कृतिक हस्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान भारत की विविध लोक एवं शास्त्रीय कला परंपराओं, संगीत, नृत्य, नाटक और साहित्यिक प्रस्तुतियों के माध्यम से देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का भव्य प्रदर्शन किया गया।

'कला मंडली'' की संस्थापक अध्यक्ष एवं देश की जानी-मानी कथक नृत्यांगना प्रतिभा सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस राष्ट्रीय उत्सव का उद्देश्य भारत की विविध सांस्कृतिक परंपराओं, लोक एवं शास्त्रीय कलाओं तथा साहित्यिक अभिव्यक्तियों को एक साझा मंच प्रदान करना था। प्रतिभा सिंह पिछले कई वर्षों से भारतीय शास्त्रीय नृत्य, सांस्कृतिक संरक्षण और महिला कलाकारों के सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। उनके मार्गदर्शन में 'विविधा' देशभर के कलाकारों, साहित्यकारों और रंगकर्मियों को जोड़ते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अनेक सांस्कृतिक आयोजनों का सफलतापूर्वक संचालन करती रही है।

पुरस्कार ग्रहण करने के पश्चात काजल सूरी ने आयोजक संस्था 'कला मंडली', संस्कृति मंत्रालय तथा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें कला और साहित्य के क्षेत्र में और अधिक समर्पण एवं सृजनशीलता के साथ कार्य करने की प्रेरणा देगा। उन्होंने कहा कि कला समाज को जोड़ने, संवाद स्थापित करने और सांस्कृतिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का सबसे सशक्त माध्यम है।

इस अवसर पर प्रतिभा सिंह ने कहा कि काजल सूरी को यह सम्मान रंगमंच, साहित्य, काव्य, निर्देशन, अभिनय और प्रसारण के क्षेत्र में उनके दीर्घकालिक एवं विशिष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। उन्होंने अपनी रचनात्मक यात्रा के माध्यम से सामाजिक सरोकारों, भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं को प्रभावशाली अभिव्यक्ति दी है। उनके नाटक, लेखन और मंचीय प्रस्तुतियाँ देशभर में सराही गई हैं तथा उन्होंने अनेक युवा कलाकारों को प्रेरित किया है।

समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से आए साहित्यकारों, रंगकर्मियों, कलाकारों, शिक्षाविदों एवं सांस्कृतिक जगत की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को समर्पित संगीत, नृत्य, नाट्य एवं साहित्यिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की। ने कहा कि 'कला साधिका पुरस्कार' उन सृजनशील महिलाओं को समर्पित है, जिन्होंने अपने कार्यों से भारतीय कला, साहित्य और संस्कृति को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की हैं। उन्होंने कहा कि काजल सूरी का बहुआयामी योगदान उन्हें इस सम्मान का एक अत्यंत योग्य और प्रेरणादायी व्यक्तित्व बनाता है।

यह सम्मान भारतीय रंगमंच, साहित्य और सांस्कृतिक जगत में काजल सूरी की विशिष्ट पहचान और उनके निरंतर रचनात्मक योगदान का महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सम्मान माना जा रहा है।

दक्षिण मुंबई में 'पच्चीस बोल कार्यशाला' का शुभारंभ

(खबर आस पास)

बीकानेर। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या शासन श्री साध्वी श्री कंचनप्रभाजी एवं शासन श्री साध्वी श्री मंजुरेखाजी आदि ठाणा 5 के पावन सान्निध्य में महाप्रज्ञ पब्लिक स्कूल, कालबादेवी, दक्षिण मुंबई में आयोजित साप्ताहिक '25 बोल कार्यशाला' का शुभारंभ उत्साहपूर्वक हुआ। कार्यशाला के प्रथम दिवस पर साध्वीश्री ने उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं को 25 बोल का महत्व, उद्देश्य एवं इसकी मूलभूत जानकारी सरल एवं सहज शैली में प्रदान की। साथ ही उन्होंने प्रथम बोल - 'गति चार' का विस्तृत विवेचन करते हुए चार गतियों तथा अंतराल गति के विषय में भी प्रेरणादायी जानकारी दी। साध्वीश्री ने बताया कि इन विषयों का अध्ययन आत्मचिंतन एवं जैन सिद्धांतों की गहन समझ विकसित करने में अत्यंत सहायक है। यह कार्यशाला प्रतिदिन सायं 8:45 बजे से 9:30 बजे तक एक सप्ताह तक आयोजित की जाएगी। सभी श्रावक-श्राविकाओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाने का आग्रह किया गया। कार्यशाला का आयोजन आचार्य महाप्रज्ञ विद्या निधि फाउंडेशन, श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ महिला मंडल एवं अणुव्रत क्षेत्रीय समिति - दक्षिण मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

'ब्रेन पावर V/S A.I.' विषय पर ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी कार्यशाला संपन्न

चेम्बूर, मुंबई (खबर आस पास)। प्रज्ञापुंज युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी की विदुषी सुशिष्या साध्वीश्री निर्वाणश्रीजी के पावन सान्निध्य में तेरापंथ युवक परिषद, चेम्बूर के तत्वावधान में 'ब्रेन पावर ङ्क/स्.ढ्ढ.' विषय पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया।

अपने प्रेरणास्पद मंगल उद्बोधन में विदुषी साध्वीश्री निर्वाणश्रीजी ने मानव मस्तिष्क की असीम संभावनाओं का प्रभावी विवेचन करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (.ढ्ढ.) के विवेकपूर्ण एवं मर्यादित उपयोग की आवश्यकता पर बल दिया। आपने कहा कि तनाव मस्तिष्कीय विकास का सबसे बड़ा अवरोध है। स्मरणशक्ति, एकाग्रता, तनावमुक्ति एवं सहनशीलता का विकास व्यक्ति की बौद्धिक क्षमता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाता है। यदि.ढ्ढ. का उपयोग विवेक, नैतिकता और आत्मानुशासन के साथ किया जाए तो वह मानव जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

डॉ. साध्वी योगक्षेमप्रभाजी ने अपने सारगर्भित वक्तव्य में.ढ्ढ. के सकारात्मक पक्षों के साथ-साथ उसके संभावित दुष्प्रभावों पर भी संतुलित दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। आपने कहा कि अधीरता, आलस्य, व्यग्रता एवं परावलंबी मानसिकता व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में बाधक हैं। निरंतर मस्तिष्कीय प्रशिक्षण, सकारात्मक चिंतन तथा आत्मविश्वास के माध्यम से उज्ज्वल एवं स्वर्णिम भविष्य का निर्माण संभव है।

कार्यक्रम का मंगलाचरण तेरापंथ युवक परिषद, चेम्बूर के अध्यक्ष हिमांशु गन्ना, मंत्री कपिल मेहता एवं परिषद की समर्पित टीम द्वारा किया गया। अध्यक्ष हिमांशु गन्ना ने सभी उपस्थित सहभागियों का आत्मीय स्वागत करते हुए कार्यशाला की उद्देश्यपरक भूमिका प्रस्तुत की। कार्यशाला के दौरान ब्रेन पावर को सक्रिय एवं सशक्त बनाने हेतु अनेक रोचक, प्रभावशाली एवं व्यवहारिक अभ्यास भी करवाए गए, जिनमें उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। पूरी कार्यशाला ज्ञान, प्रेरणा एवं आत्मविकास का सशक्त संगम बन गई।

उप खंड श्रीडूंगरगढ़ के गांव धिरदेसर पुरोहितान मे विमला देवी की छठी पुण्य स्मृति में हुआ रक्तदान एव निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

(खबर आस पास)

श्रीडूंगरगढ़ बीकानेर तोलाराम मारू। स्वर्गीय विमला देवी मेघवाल की 6वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 6वें विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। नीतीश मेहरा ने बताया कि शिविर में युवाओं एवं ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कुल 77 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। कार्यक्रम के दौरान रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए सभी रक्तदाताओं को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से पौधे वितरित किए गए। व साथ में नशा मुक्त भारत, पेड़ लगाओ पर्यावरण बचाओ, योग करो स्वस्थ रहो, का भी संदेश दिया, साथ ही शिविर में आए लोगों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श भी दिया गया।

इस अवसर पर श्री रामलाल मेहरा, ओमप्रकाश मेहरा, सुरजाराम मेहरा, श्री नारायण सिंह राजपुरोहित, किशन, राकेश, अशोक, संदीप, अनुराग, प्रवीण, विशाल, सांवरमल, कैलाश, मेहरा परिवार एवं समस्त युवा शक्ति की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। सभी ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के आयोजक नितीश मेहरा ने रक्तदाताओं, सहयोगकर्ताओं, चिकित्सक दल, स्वयंसेवकों एवं उपस्थित सभी गणमान्यजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है और ऐसे आयोजन समाज में मानव सेवा तथा जनकल्याण की भावना को सुदृढ़ करते हैं।